


---

Akashanilima

——  
आकाशनीलिमा

——  
Document Information



---

Text title : Akashanilima

File name : AkAshanIlimA.itx

Category : misc, sanskritgeet

Location : doc\_z\_misc\_general

Author : vijayan vi. paTTAmbI

Acknowledge-Permission: Vijayan V. Pattambi

Latest update : August 11, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---


Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 12, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Akashanilima

---

### आकाशनीलिमा

---



आकाशं छत्रसङ्काशं विस्तृतं विमलं तथा  
जलदैर्लघुभिर्युक्तं नीलवर्णेन लोपितम् ।  
सूर्यदिवस्य यात्रायै येनेदमूर्द्धमास्तृतम्  
विपुलं गोलरूपं तत् सुन्दरं नीलकम्बलम् ।  
छन्देवो दिवा नित्यं दीपकोटिसमप्रभः  
स्मालित्येन विना पादौ मन्दं सञ्चरते मुदा ।  
भूयांसो नीलवर्णस्तु केनेदं सुविलेपितम्  
भगवतः सर्वशक्तस्य कर्मकौशलमेव हि ।  
प्रभाते रक्तवर्णेन मध्याह्ने नीलया तथा  
सायाह्ने कपिशवर्णेन केनेदं लेपितं क्षणम्?  
नीलाकाशमार्गोऽगन्तुमिच्छास्मि मे चिरम्  
साध्यं वा यदि वा नास्तु दृश्यमेतत् हि सौम्यदम् ॥  
कविता रचना - विजयन् वि. पट्टाभ्मी

---



Akashanilima

pdf was typeset on August 12, 2024

---



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

